

For Agricultural Use Only

## Beniprop

## Propineb 70% WP

## Contact Fungicide

Propineb is a contact fungicide based on Propineb Technical containing 70% w/w. Propineb as active ingredient and balance auxillaries as insert material. Propineb is used as a foliar spray for the control of fungal diseases in different crops.

| Crop(s)     | Common name of diseases                                                               | Dosages/ha                        |                                  |                           | Waiting period between last spray to harvest (in days) |
|-------------|---------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|----------------------------------|---------------------------|--------------------------------------------------------|
|             |                                                                                       | a.i. (%/gram)                     | Formulation (%/gram)             | Dilution Water (Litre/ha) |                                                        |
| Apple       | Scab                                                                                  | 0.21% or 210 gram/ 1۰00 لیٹر پانی | 0.30% or 300 gram/ 100 lt. water | As required*              | 30                                                     |
| Pomegranate | Leaf and fruit spots                                                                  | 0.21% or 210 gram/ 100 lt. water  | 0.30% or 300 gram/ 100 lt. water | As required*              | 10                                                     |
| Potato      | Early & Late Blight                                                                   | 0.21% or 210 gram/ 100 lt. water  | 0.30% or 300 gram/ 100 lt. water | As required*              | 15                                                     |
| Chilli      | Dieback                                                                               | 0.35% or 350 gram/ 100 lt. water  | 0.5% or 500 gram/ 100 lt. water  | As required*              | 10                                                     |
| Grapes      | Downy Mildew                                                                          | 0.21% or 210 gram/ 100 lt. water  | 0.30% or 300 gram/ 100 lt. water | As required*              | 40                                                     |
| Tomato      | Buck eye rot                                                                          | 0.21% or 210 gram/ 100 lt. water  | 0.30% or 300 gram/ 100 lt. water | As required*              | 10                                                     |
| Rice        | Brown leaf spot (Helminthosporium oryzae) <p>Narrow leaf spot (Cercospora oryzae)</p> | 1050-1400                         | 1500-2000                        | 500 Ltr/ha                |                                                        |

**Caution: Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.**

**Propineb is highly toxic to aquatic organisms hence should not be used near Water bodies, aquaculture or pisciculture area.**

**Direction of use:** Propineb should be applied as protectant fungicide with knapsack sprayer.

\*Dilution in water as required depending upon size of the tree and plant protection equipment.

**Precaution:** Keep away from food stuff, empty food stuff containers and animal feed. Do not eat, drink or smoke during application. Avoid contact with eyes and skin. Avoid inhalation of the spray mist. Wear protective clothing like long sleeved shirts, long pants, hand gloves, shoes and goggles while handling. Thoroughly wash contaminated clothes and parts of the body.

**Symptoms of Poisoning:** Nausea, vomiting, abdominal pain, diarrhoea if swallowed. When inhaled as fine dust, irritation to bronchial tubes and lung tissues. Sedation, reduction in general well being, salivation, anorexia, dyspnea, muscle weakness.

**First Aid:** 1. induce vomiting by administering a spoonful of common salt in a glass of water or insert finger into the throat. Continue till vomit fluid is clear. Call a physician. 2. Wash contaminated skin with copius fluid. If eyes are contaminated skin with copious water. If eyes are contaminated wash with plenty of clean water for 15 minutes and consult a doctor.

**Antidote:** No specific antidote is known. Treat symptomatically.

**Disposal of Used Container:** Empty containers should be broken and buried away from habitation. To prevent re-use, empty containers should not be left outside. Packages or surplus material and washings should be disposed off in safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

**Storage Conditions:** 1. Packages containing the product should be stored in separate rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing other articles or should be kept in separate almirahs under lock and key. 2. The rooms or premises meant for storing the insecticides shall be well built, well lit, dry well ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with water vapour.

**Warning:** 1.Not to be used on crops and pests other than those mentioned on label and leaflets. 2.Not to be used for post-harvest application. 3.Destroy the container after use as directed on leaflet.

| Chemical Composition:           |   |             |
|---------------------------------|---|-------------|
| Propineb Tech. (min 80% purity) | : | 87.5% w/w   |
| Precipitated silica             | : | 8.75% w/w   |
| Kaolin                          | : | Q.S.% w/w   |
| Total                           | : | 100.00% w/w |

Dangerous to reuse empty containers

केवल कृषि उपयोग के लिए

## बेनीप्राॅप

## प्राॅपिनेब ७० प्रतिशत घुलनशील पाउडर

## स्पर्शीय फफूंदीनाशक

प्राॅपिनेब ७० डब्ल्यू पी एक स्पर्शीय फफूंदनाशक है जिसके ७० प्रतिशत भार/मार प्राॅपिनेब नामक सक्रिय तत्व है। बाकी निष्क्रिय और सहायी पदार्थ हैं। इसका प्रयोग विभिन्न फसलों में फफूंद जन्य व्याधियों को रोकथाम के लिए किया जाता है।

उपयोग:

| फसल   | कीट के नाम                                       | प्रति हैक्टेयर मात्रा                      |                                          |                       | अतिम छिड़काव तथा फसल कटाव के बीच अन्तराल (दिनों में) |
|-------|--------------------------------------------------|--------------------------------------------|------------------------------------------|-----------------------|------------------------------------------------------|
|       |                                                  | स. तत्व (प्रतिशत या ग्राम)                 | संरचना (प्रतिशत या ग्राम)                | पानी की मात्रा (लीटर) |                                                      |
| सेब   | पामा                                             | ०.२१ प्रतिशत अथवा २१० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.३० प्रतिशत अथवा ३०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | ३०                                                   |
| अनार  | बर्फियों एवं फलों के धब्बे                       | ०.२१ प्रतिशत अथवा २१० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.३० प्रतिशत अथवा ३०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | १०                                                   |
| आम्र  | आम्रती एवं पफेंती अंगमारी                        | ०.२१ प्रतिशत अथवा २१० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.३० प्रतिशत अथवा ३०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | १५                                                   |
| चिली  | डाई बैक                                          | ०.३५ प्रतिशत अथवा ३५० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.५० प्रतिशत अथवा ५०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | १०                                                   |
| अंगूर | मृदु मैमिल अरिस्ता                               | ०.२१ प्रतिशत अथवा २१० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.३० प्रतिशत अथवा ३०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | ४०                                                   |
| टमाटर | ऑख रिफलम                                         | ०.२१ प्रतिशत अथवा २१० ग्राम/ १०० लीटर पानी | ०.३० प्रतिशत अथवा ३०० ग्र/ १०० लीटर पानी | आवश्यकतानुसार*        | १०                                                   |
| धान   | भूरे धब्बों का रोग तथा रस्केरसमैया धब्बों का रोग | १०५०-१४००                                  | १५००-२०००                                | ५०० ली./हे.           |                                                      |

सावधान: इस लेबल /लीफ्लेट पर निर्दिष्ट फसलों के अलावा अन्य फसलों पर इस्तेमाल न करें।

प्राॅपिनेब जलीय जीवों के लिए विषैला है इसलिए इसका इस्तेमाल जल क्षेत्रों के पास, जलसंचर्धन / मत्स्य पालन विधियों में नहीं करना चाहिए। उपयोग से पहले लीफ्लेट पढ़ें।

**उपयोग के लिए निर्देश:** प्राॅपिनेब ७० डब्ल्यू का प्रयोग की रोकथाम हेतु रोग के प्रथम लक्षण आने पर पीठ पर लाद कर हस्त बलित छिड़काव करके रंग डारा करना चाहिए।

**प्रयोगक्षमताओं के लिए सावधानियां:** फफूंदीनाशक के खाद्य पदार्थ के रथान एवं बच्चों की पहुँच से दूर रखें, प्रयोग करने समय खाद्य पदार्थ का सेवन या धूम्रपान न करें, त्वा एवं आँखों को फफूंदीनाशक के संपर्क में आने दें, फफूंदीनाशक की फुआर को नाक या मुँह में न जाने दें, दूषित कपड़ों एवं त्वा को साफ़न और पानी से धोें डालें, प्राॅपिनेब के संपर्क में आने वाले अमिकों को सुरक्षात्मक लिबास जैसे लम्बी आस्तीन की कमीज, पतलून, दस्ताने, जूते एवं चश्मा पहनना आवश्यक है।

**विष के लक्षण:** यदि फफूंदनाशक पेट में गई हो तो वमन की लालसा, उदर शुल एवं अतिसार जैसे लक्षण दिखाई देंगे। यदि ब्रसन द्वारा फफूंदनाशक अन्दर गई हो तो फेफड़ों एवं बसन नलिकाओं में जलन हो सकती है। नाँद आना, स्वास्थ्य में गिरावट, लार टपकना, भूख न लगना, कष्ट भास, कमजोर्ब मांसपेशियों।

**प्राथमिक चिकित्सा :** १. एक गिलास पानी में एक घम्मच नमक मिला कर पिलाए या गले में डंगली डालकर वमन कराइें। यह प्रक्रिया वमन दूर स्वस्थ मिलाने तक करें। चिकित्सक को बुलायें । २. दूषित वमन को पानी से धोये यदि अधिक प्रमाति हुई हो तो लगभग १५ मिन्ट तक पानी से धोएं एवं चिकित्सक की सहाह लें।

**विष नाशक:** कोई विशिष्ट विष नाशक नहीं। लक्षणानुसार इलाज करें।

**खाली डिब्बों का निपटारा:** खाली डिब्बों को तोड़कर बस्ती से दूर किसी स्थान पर गाड़ देना चाहिए, खाली डिब्बों को बाहर ना छोड़े ताकि उनको दुपारा काम में न लिया जा सके, डिब्बों में बचा हुआ माल एवं घुस्राई का पानी सुरक्षित तरीके से फेंके ताकी वातावरण व पानी प्रदूषित न हो।

**संरक्षण की तरतें :** १. फफूंदनाशक को ऐसे कमरे या जगह में रखें जो अन्य वस्तुओं के भण्डारण के करीब या जगह से दूर ताला बंद अलमारी में रखें। २. यह कमरा या स्थान जहाँ यह फफूंदनाशक रखना है ठीक से बन्हा हुआ, सूखा, प्रशमशय, हवादार एवं बड़े आकार का हो ताकी वातावरण प्रदूषित न हो।

**चेतावनी :** १. लिफलेट और लेबल मे सिफारिश किये हुवे फसलों और किट के रियाज अन्यत्र पर इस्तेमाल न करें। २. फसल कटाई के बाद किये जाने वाले अन्य उपचार मे शामिल न करें। ३. इस्तेमाल के बाद डब्बों को लिफलेट मे डिये हुवे तरीके से नष्ट करें।

| रासायनिक संरचना:                                   |   |                          |
|----------------------------------------------------|---|--------------------------|
| प्राॅपिनेब सक्रिय तत्व (न्यूतम शुद्धता ७० प्रतिशत) | : | ८७.५०% भार/भार           |
| प्रेसिपिटेड सिलिका                                 | : | ८.७५% भार/भार            |
| केओलिन                                             | : | प्रत्या मात्रा %भार/ भार |
| योग                                                | : | १००.०००% भार/भार         |

खाली डिब्बों का दुबारा प्रयोग करना खतरनाक है।

फसल शैलीय उपयोगकितता

## बेनीप्राॅप

## प्राॅपिनेब ७०% डब्ल्यू.पी.

## स्पर्शजन्य बुरशीनाशक

प्राॅपिनेब एक स्पर्शजन्य बुरशीनाशक आहे. ज्याला ७०% व/व प्राॅपिनेब नावाचे सक्रिय तत्व आहे. बाकी निष्क्रिय आणि सहायक पदार्थ आहेत. त्याचा वापर वेगवेगळ्या पीकात बुशरीजन्य रोगांचे नियंत्रण करण्यासाठी केला जातो.

वापरसाठी शिफारस:

| बीकचे नाम | रोगाचे सामान्य नाम                                                         | दर                                |                    |                                       | अखेरीस पवारणी व काणी काणी (दिनांे) |
|-----------|----------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|--------------------|---------------------------------------|------------------------------------|
|           |                                                                            | स.त. (%/ग्राम)                    | औषध (%/ग्रॅम)      | तौष्य करण्यासाठी पानी (लिटर/ हेक्टरी) |                                    |
| सकरलेट    | रॅबब                                                                       | ०.२१% या २१० ग्राम/ १०० लिटर पानी | ०.३०% या ३०० ग्रॅम | आवश्यकतानुसार*                        | ३०                                 |
| डाडिब     | पानावर्त व फळावर्त रिफे                                                    | ०.२१% या २१० ग्रॅम/ १०० लि. पानी  | ०.३०% या ३०० ग्रॅम | आवश्यकतानुसार*                        | १०                                 |
| बटाटा     | सुल्लव्हीता जळी नंतरचा कव                                                  | ०.२१% या २१० ग्रॅम/ १०० लि. पानी  | ०.३०% या ३०० ग्रॅम | आवश्यकतानुसार*                        | १५                                 |
| मिर्च     | रोडे मर                                                                    | ०.३५% या ३५० ग्रॅम/ १०० लि. पानी  | ०.५% या ५०० ग्रॅम  | आवश्यकतानुसार*                        | १०                                 |
| द्राब     | डाऊनी मिल्ड्यू, सरसया (कैलाड)                                              | ०.२१% या २१० ग्रॅम/ १०० लि. पानी  | ०.३०% या ३०० ग्रॅम | आवश्यकतानुसार*                        | ४०                                 |
| टॅमॅट     | बॅक डाय रॉट                                                                | ०.२१% या २१० ग्रॅम/ १०० लि. पानी  | ०.३०% या ३०० ग्रॅम | आवश्यकतानुसार*                        | १०                                 |
| भात       | तपकिरी रंगाचे डाग (ऑम्बिलेथोरियम ओरेडे) पानांवरी अरब डाग (सक्लेरिया ओरेडे) | १०५०-१४००                         | १५००-२०००          | ५०० ली./हे                            |                                    |

सावधान: या लेबल /माहिती पत्रकावर निर्देश केलेल्या पीकांव्यतिरिक्त अन्य पीकांवर उपयोग करू नये.

प्राॅपिनेब जल जिवांसाठी खूपच विषारी आहे. ह्याचा वापर तलाव आणि मत्स्यपालन क्षेत्राच्या आजूबाजूला करू नये.

**वापरयानी वेळ आणि वापरयानी पद्धती:** प्राॅपिनेबचा वापर रोगाच्या नियंत्रणासाठी रोगाचे प्राथमिक लक्षण दिसल्यानंतरावर लॉन्गस्पिन नोजल बसविलेल्या नॅपॅसॅक स्प्रेयर द्वारे करावे.

\*पाण्याची मात्रा आवश्यकतेनुसार, झाडाच्या आकारानुसार वतन सुरेखा वगैच्या आधारावर.

**वापरदरारांसाठी खबरदारी:** अन्त्यपार्थक्यान्त अन्त्यपदार्थांच्या रिकामे कंटेनरें पासून आणि जनावरांच्या चाण्यापासून दूर ठेवा. फवारणी करताना खावू, पिवू वा धूम्रपान करू नये. डोळ्यांशी व त्वचेशी संपर्क होऊ देऊ नका. फवारणीचे घुपार हुंगू नका. हे हाताळताना संरक्षक पोषाख जरा लावू बाह्यांगा शर्ट, लॉन्ग पैंट, हातमोजे, बूट आणि गॉगल्स वापरावेत. संरक्षक अलेले कपडे आणि शरीराचा भाग स्वच्छ घ्यावा.

**विषबाधेची लक्षणे:** पोटात गेल्यास मळमळ, ओठवाच, पोटात दुखणे व हाथ्या अशी लक्षणे दिसून येतात. श्वासद्वारे आत गेल्यास फुफुसवर व श्वासनलिकेत जळजळ होवू शकते. डोय येणे, तबकीतीर उतार पडणे, लाल नळणे, भूक न लागणे, श्वास घेण्यास त्रास, मांसपेशि अशक्तपणता.

**प्रथमोपचार:** १. एक क्लास पाण्यात, एक घम्मचा मीठ घालून पाजावे वा गळ्यात भोट घालून उलटे करावया, ही प्रक्रिया उलटी साफ होईपर्यंत करावी डाक्टरनास बोलावा. २. संपर्कात आलेली त्वचा भरपूर पाण्यात घुवा. जर डोळ्यांशी संपर्क झाला असेल तर ते भरपूर व स्वच्छ पाण्याने जळजळवज १५ मिनिटे घुवा आणि डाक्टरनास सल्ला घ्या.

**विनिवारण:** लक्षानुसार उपचार करा.

**डब्यांची उपकरणी घुतलेले पाणी आणि इतर द्रावण यांची विन्लेयाट:** रिकामी पॅकेजिंगस मोडून-तोडून वस्तीपासून दूर जागी, जमिनीत खोद करुन पुरवयित घ्या. अन्य कामांसाठी वापरली जावू नयेत म्हणून रिकामी पॅकेजिंग उपकरणावर टाळू नयेत. पॅकेजिंग किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणी उपकरणी घुतलेले पाणी यांची विन्लेयाट फर्मावरण किंवा पाणी प्रदूषित होणार नाही अशा सुरक्षित पध्दतीने घालूनी.

**सावधण :** १. ह्या उपयानाची पॅकेजिंग इतर माल वेगळ्यासाठी असलेल्या जागा व खोल्या यापासून विस्थाप. इतर पदार्थ सावटून वेगळ्याच्या जागीपासून दूर जागी वा खोल्यात, कडिल्लतून टाकवीत ठेवावीत. २. हे कीटनाशक काता करून वेगळ्याची जागा उत्तम बांधणीची, कोडी, हवा खेळती राहणारी, भरपूर उजेडाची व पुरेशी मोती असची. त्यामुळे वाफानी होणारे प्रदूषण टाळेत.

**चेतावनी :** १. लेबल व लिफलेट वर शिफारस केलेली पिके आणि कीटकांशिवाय इतर पर वापर करू नये. २. पोस्ट हार्वेस्ट अनुयोग करीता वापरयानीची नाही. ३. लिफलेट मधे निर्देशित केल्या प्रमाणे वापरानंतर डब्यांची विन्लेयाट लावा.

| रासायनिक संरचना:                         |   |                 |
|------------------------------------------|---|-----------------|
| प्राॅपिनेब टॅक्जिकल (न्यूतम शुद्धता ८०%) | : | ८७.५% भार/भार   |
| प्रेसिपिटेड सिलिका                       | : | ८.७५% भार/भार   |
| केओलिन                                   | : | इतर भार/भार     |
| योग                                      | : | १००.००% भार/भार |

वापरयानी डब्यांचा पुनर्वापर धोकादायक.

६५८ चेतीवाडीना ઉપયોગ માટે

## બેનીપ્રોપ

## પ્રોપિનેબ ૭૦% ડબ્લ્યુ પી

## સ્પર્શીય ફૂનાશક

પ્રોપિનેબ એક સ્પર્શીય ફૂનાશક છે જે પ્રોપિનેબ ટેકોનોલોજી પર આધારીત છે અને તે ૭0% બાર/બાર સક્રિય ઘટક અને બાકીના સહાયક ડ્રવ્યો ધરાવે છે. પ્રોપિનેબ જુદા જુદા પાકોમાં ફૂજાજીવ રોગોના નિયંત્રણ માટે પાંદડા પર છંટકાવ તરીકે વાપરવામાં આવે છે.

બનાવટ:

| પાક   | રોગનું સામાન્ય નામ                                                        | પ્રમાણ                              |                                     |                      | ઠેરાવ ઇંટકાવ થીવાળી સુધીની સમયાવાધી (દિવસ) |
|-------|---------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|----------------------|--------------------------------------------|
|       |                                                                           | સક્રિય (%/ગ્રામ)                    | સંરચના (%/ગ્રામ)                    | મિશ્રણ (લીટર/હેક્ટર) |                                            |
| સરકરબ | ફૂનાશાક                                                                   | ૦.૨૧% અથવા ૨૧0 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.30% અથવા 300 ગ્રામ/ 100 લીટર પાણી | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | 30                                         |
| દાડમ  | પાનના અને ફળના ડામ                                                        | ૦.૨૧% અથવા ૨૧0 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.30% અથવા ૩00 ગ્રામ/ 100 લીટર પાણી | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | ૧0                                         |
| બટાટા | આનોતરી અને પાછોતરી સુકરી                                                  | ૦.૨૧% અથવા ૨10 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.30% અથવા ૩00 ગ્રામ/ 100 લીટર પાણી | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | ૧૫                                         |
| મરચ   | ફળનો સડો                                                                  | 0.૩૫% અથવા 3૫0 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.૫% અથવા ૫00 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી  | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | ૧0                                         |
| ફાંસ  | તળાશરો                                                                    | ૦.૨૧% અથવા ૨10 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.૩0% અથવા ૩00 ગ્રામ/ 100 લીટર પાણી | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | ૪0                                         |
| ટમેટ  | બક આઈ રોટ                                                                 | 0.૨૧% અથવા ૨10 ગ્રામ/ ૧00 લીટર પાણી | 0.30% અથવા ૩00 ગ્રામ/ 100 લીટર પાણી | જરૂરિયાત પ્રમાણે*    | ૧0                                         |
| ડાંગર | મૂળ પાનના પડકાં (હેલ્મિથોસ્પોરિયમ ઓરિઝે) નેરંગીયો સરો (સેરક્ટોપોરા ઓરિઝે) | ૧0૫૦-૧૪00                           | ૧૫00-૨000                           | ૫00 લી./હે.          |                                            |

**સાવધાની: આ લેબલ /લીફ્લેટ પર જણાવેલા પાકો સિવાય અન્ય પાકો પર ઉપયોગ કરવો નહીં.**

**જળશર ધુવો માટે પ્રોપિનેબ અલ્ટ્રા એરી ટે, ટેથી જળાશયો, જળશરોટર કે મલ્લયપાલન યાત્રાની જાણુક ઉપયોગ કરવો નહીં.**

**વાપરવાની રીત :** પ્રોપિનેબ ફલ્ટ ફન નોઝલ બેસાડેલા નૅપ્સૅક સ્પ્રેયર વડે રસાઇકારક ફૂનાશાક તરીકે વાપરવું જોઈએ.

પાણીની માત્રા જરૂરિયાત પ્રમાણે, ઝાડના કદ અને છોડના રસાઇ માટે ઉપયોગમાં લીધેલ સાધન ઉપર આધાર રાખે છે.

**સાવધનતાઓ:** ખાદ્ય પદાર્થો, ખાદ્ય પદાર્થોમાં ખાલી કંબોઓ અને પશુ આશરોથી દૂર રાખો. ઉપયોગ કરતી વખતે ખાવું, પીવું અથવા ધૂમ્રપાન કરવું નહીં. આંખો અને ત્વચા અહીં સંપર્ક ટાળો. છંટકાવના છાંયકા શારમાં લેવાનું ટાળો. રસાઇકારક કપડક જેવાં કે લાંબી બાંધનાં ખમીયા, લાંબા પાટલુન, છાંય માંથી, શૂઝ અને ગોગલ્સ ફૂનાશાક વાપરતી વખતે પહેરો. દુધિત થયેલાં કપડાં અને શરીરના ભાગો સંપૂર્ણ ધોઈ નાંખો.

**ઝેરનાં લક્ષણો:** જો ગળામાં આવે તો, ઉંમકા, ઉલટી, પેટમાં ડુખાવો, અતિસાર જેવા લક્ષણો દેખાશે જે, જ્યારે બારીક વડ્ડી કેવું શારમાં જાય, ત્યારે શ્વાસળીમાં અને ફેફસાના કોષોમાં થય/બળતરાથી રોગશય અબળવાય છે. સામાન્ય આરોગ્યમાં ઘટાડો, લાળ ગળવા, અંબીરડિસિયા, કાયરપોનિયા, રોગશુની બંબળાઈ થીતો અલ્પ લક્ષણો છે.

**પ્રાથમિક સારવાર:** ૧. પાણીના સ્ત્રામાં ચમચી ભરીને મીઠું નાખી અથવા ગળામાં આંગળી નાંખી ઉલટી કરાવવા પ્રયત્નો કરો. ઉલટીનું પ્રયાશી યોગ્યપ્ત આવે ત્યાં સુધી ચાલુ રાખો. કડિલ્લેત નોંસાવો. ૨. દુધિત થયેલી ત્વચા પુષ્કળ પાણીથી ધોઈ નાંખો. જો આંખો દુધિત થવા પા્યો, તો ૧૫ મિનિટ સુધી પુષ્કળ પાણી પાણીથી છાંતક મારીને ધુવો અને કડિલ્લેની સલાહ લો.

**ઝેરનું મારણ:** લક્ષણો અનુસાર સારવાર.

**વપરવારેલ પાત્રોનો નિકાસ:** ખાલી પાત્રો તોડી નાંખ્યાં અને પ્વરતીથી દૂર દાટી દેવાં. ફરીથી ઉપયોગ થતો ટાળવા માટે, ખાલી પાત્રો બહાર ધાવ્યાં નહીં. પેકેટો અથવા વધારાની સામગ્રી નોંધેલો ધોવાલોનો એવો સલામત રીતે નિકાલ કરવો કે જેથી પર્યાવરણીય અને જળ પ્રદુષણ થવું અડકાડી શકાય.

**સંગ્રહ:** ૧. ઉપાદાન ધરાવતાં પેકેટો બીજી થીજવરતુઓ સંગ્રહવા માટે વપરાતા ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર, અલગ અલગ અથવા જગ્યામાં સંગ્રહાય અથવા અલગ કબાટોમાં વાળીયાવીમાં બંધ કરીને રાખવાં. ૨. જંતુશયક સંગ્રહવા માટેના ઓરડા અથવા જગ્યા સારી પહે બાંધેલા, સારા પ્રકાશવાળાં, સૂકાં, સારી હવા ઉજાગવાના અને પૂરતી મોડેશન ધરાવતાં હોવા જોઈએ જેથી પાણીની વાગણી દુધિત થવાનું ટાળી શકાય.

**વેતપણી:** ૧. લંબાવ અને પરિષ્કાર વડ ઠકાવેલા પાકઅને જીવાતો સિવાય ઉપયોગ કરવો નહીં. ૨. લણણી થઈ ઉપયોગ કરવો નહીં. ૩. પરિષ્કાર પર જણાવ્યા અનુસાર ખાલી કર્દશર શષ્ટ કરવાં.

| રાસાયનિક રચના:                          |   |               |
|-----------------------------------------|---|---------------|
| પ્રોપિનેબ ટેક્ઝિકલ (લ્થુતમ ૮0% શુદ્ધતા) | : | ૮૭.૫% બા/બા   |
| પ્રિસિપિટેક સિલિકા                      | : | ૮.૭૫% બા/બા   |
| કાઓલીન                                  | : | શેષ બા/બા     |
| કુલ                                     | : | ૧00.00% બા/બા |

ખાલી કર્દશરોનો ફેરઉપયોગ જોખમી છે.

પ્રોપાનાનાડકે પાટ્ટુકે ડાડમોનાડકે

## બેનીપ્રોપ

## પ્રોપીનેબ 70% ડબ્લ્યુપી

## સ્પર્શુત્ સર્વસંપે શ્શીંડ્રનાશક

પ્રોપીનેબ ઓડી સ્પર્શુ ટ્ગુત્ સર્

